# गहोई वैश्य समाज एवं महासभा का इतिहास

(1914-2015)

लेखक

उदयनारायण कनकने

एडवोकेट

प्रकाशक
श्री शशिभूषण कनकने एडवोकेट
95/1 (नया 110) चौधरखाना, झाँसी (उ.प्र.) पिन-284002
मोबाइल नं. 9415073551
ad.sbk26@gmail.com

© शशिभूषण कनकने, एडवोकेट, झाँसी

प्रकाशन वर्ष : 2015 ई.

मूल्य : ₹ 200

लेजरटाइप सेटिंग
अमन कम्प्यूटर्स
बेनीगंज, इलाहाबाद-16 (उ.प्र.)

मुद्रक
अरिन्दम घोष
इण्डियन प्रेस ( प्रा. ) लि.
36, पन्नालाल रोड, इलाहाबाद-2 (उ.प्र.)
मो0नं0: 9839051062

पुस्तक प्राप्ति स्थान :
1. श्री प्रमोदकुमार गुप्त, एडवोकेट, मो. : 9415073364
184, तलैया, झाँसी (उ.प्र.) पिन-284002
Email : Promodgupt54@gmail.com
2. श्री रामप्रकाश हथनौरिया, सम्पादक, गाहोई समाचार
चिरगाँव (झाँसी) मो. : 9936324305
Email : gvs.rpg@gmail.com
3. श्री जनार्दन नगरिया, एडवोकेट, मो. : 9415031500
झोकन बाग, झाँसी (उ.प्र.) पिन-284001

# अनुक्रमणिका


| | | |
|---|---|---|
| 1 | मंगलाचरण | 5 |
| 2 | समर्पण | 6 |
| 3 | प्रकाशकीय | 7 |
| 4 | ग्रन्थ के विषय में विद्वज्जनों की सम्मतियाँ | 9 |
| 5 | इतिहास ग्रन्थ के विषय में सम्मति | 13 |
| 6 | प्राक्कथन | 15 |
| 7 | आत्म-निवेदन | 21 |
| 8 | अनुमतियाँ | 26 |
| 9 | एक नज़र में : अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा अधिवेशन | 28 |
| 10 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा की रामकहानी | 34 |
| 11 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 26 वां अधिवेशन बड़ागाँव जिला झाँसी, उ.प्र. | 38 |
| 12 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 27वां अधिवेशन, अयोध्या, उ.प्र. | 40 |
| 13 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 28वां अधिवेशन, झांसी, उ.प्र. | 42 |
| 14 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 29वां अधिवेशन डबरा जिला, ग्वालियर, म.प्र. | 44 |
| 15 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 30वां अधिवेशन, आलमपुर, भिण्ड, म.प्र. | 45 |
| 16 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती शकुन्तला कनकने, झांसी का भाषण | 61 |
| 17 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 31वां अधिवेशन, बांदा, उ.प्र. | 65 |
| 18 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 32वां अधिवेशन, चित्रकूट, उ.प्र. | 70 |
| 19 | श्रीमती शकुन्तला देवी कनकने पारितोषिक | 76 |
| 20 | श्रीमती शकुन्तला देवी कनकने पारितोषिक हेतु सुपुत्रों को दिशा निर्देश | 78 |
| 21 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 33वां अधिवेशन, उरई, उ.प्र. | 82 |
| 22 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 34वाँ अधिवेशन विदिशा, म.प्र. | 92 |
| 23 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 35वाँ अधिवेशन, रानीपुर, झांसी, उ.प्र. | 96 |

| | | |
|---|---|---|
| 24 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 36वां अधिवेशन, नागपुर, महाराष्ट्र | 101 |
| 25 | राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती समारोह, नागपुर, महाराष्ट्र | 105 |
| 26 | राजाबेटी स्मृति भवन 50/39 नौघड़ा, कानपुर, उ.प्र. | 108 |
| 27 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 37वां अधिवेशन, कानपुर, उ.प्र. | 110 |
| 28 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 38वां अधिवेशन, ग्वालियर, म.प्र. | 118 |
| 29 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 39वां अधिवेशन, नागपुर, महाराष्ट्र | 123 |
| 30 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 40वां अधिवेशन, झाँसी, उ.प्र. | 125 |
| 31 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का 41वां अधिवेशन नोएडा, उ.प्र. | 132 |
| 32 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा के घटक | 143 |
| 33 | श्री गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ | 152 |
| 34 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा के प्रकल्प (दस्तावेज) | 169 |
| 35 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का प्रकल्प संख्या-4 | 186 |
| 36 | अ0भा0 गहोई वैश्य महासभा में आपातकाल | 212 |
| 37 | तथाकथित लखनऊ मीटिंग-धिक्कार | 256 |
| 38 | मनुहार | 257 |
| 39 | गहोई वैश्य वंश के आदिपुरूष | 258 |
| 40 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा का ध्वज एवं ध्वज गीत | 264 |
| 41 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा के 41वें राष्ट्रीय अधिवेशन, नोएडा, उ.प्र0. | 270 |
| 42 | मरणोपरान्त "गहोई गौरव उपाधि" | 281 |
| 43 | गहोईश्री | 288 |
| 44 | गहोई समाज एवं अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा की प्रगति एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्थान | 292 |
| 45 | स्वागतम्-सुस्वागतम्, झांसी, उ.प्र. | 325 |
| 46 | गहोई भवन चित्रकूट बैठक में लेखक का निवेदन | 333 |
| 47 | एक भ्रान्ति का निवारण | 342 |
| 48 | अ0 भा0 ग0 वैश्य महासभा के शताब्दी समारोह को भव्य, प्रभावी एवं सार्थक बनाये जाने हेतु लेखक के सुझाव | 346 |
| 49 | उपसंहार | 350 |
| 50 | कृतज्ञता ज्ञापन | 352 |

# उदयनारायण कनकने : लेखक परिचय

निरन्तर 65 वर्ष से अ.भा.ग. वैश्य महासभा के माध्यम से गहोई वैश्य समाज की सेवा करने वाले पूर्व महासभा अध्यक्ष श्री उदयनारायण जी कनकने का जन्म 13 जुलाई, 1928 को एरच जिला झाँसी में हुआ था। आपकी माताजी स्व. जानकीबाई सहृदय धार्मिक विचारों वाली थी एवं पिताजी स्व. घनश्याम दास कनकने जिले के प्रमुख व्यवसायी थे। कनकने जी ने प्रारम्भिक शिक्षा एरच में ही प्राप्त की। जिले में प्रथम स्थान लेकर सन् 1942 में मिडिल परीक्षा। मैट्रिक परीक्षा 1945 में एम.एस.वी. इण्टर कालेज, कालपी से उत्तीर्ण की। उन्होंने परीक्षा में उ.प्र. में चौथा स्थान प्राप्त किया। 1947 में इण्टरमीडिएट बी. एन.एस.डी. इण्टर कॉलेज, कानपुर से एवं बी.ए., एम.ए. इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण किया। इलाहाबाद में उन्हें कवि हरिवंशराय बच्चन, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा एवं कुलपति अमरनाथ झा से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। एल.एल.बी. की उपाधि एस.डी. कालेज, कानपुर (आगरा विश्वविद्यालय) से 1951 में प्राप्त की। 1952 से 1959 तक मउरानीपुर में पारिवारिक गल्ला, तिलहन का व्यवसाय किया। 4 जनवरी 1959 से झाँसी में वकालत प्रारम्भ की और शीघ्र ही जिले के सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता के रूप में ख्याति अर्जित की। समाजसेवा के प्रति आपका रुझान किशोरावस्था से ही था।

मउरानीपुर में 26 वर्ष की अवस्था में 1954 में महासभा का अधिवेशन सम्पन्न कराया और स्वयं स्वगताध्यक्ष का दायित्व कुशलता पूर्वक निर्वाह किया। कनकने जी 7 बार महासभा के महामंत्री एवं 1983 से 1986 तक महासभा अध्यक्ष पद पर रहकर समाजसेवा में समर्पित रहे। आपके कार्यकाल में चित्रकूट भवन एवं मंदिर का निर्माण प्रारम्भ हुआ। श्री कनकने जी एक सहृदय कवि भी है उनका हिन्दी कविताओं का संग्रह सतरंगिणी एवं अंग्रेजी कविताओं का संग्रह Sub Line Heights शीघ्र प्रकाशित होने वाली हैं। उन्होंने एक फिल्म की पटकथा 'वियोगी होगा पहला कवि' भी लिखी है। आपनी जन्मभूमि एरच, रामसेतु एवं अन्य विषयों पर शोध भी लिखे हैं। शारीरिक रूप से अशक्त होने के बाद भी आज वह मानसिक तौर से पूर्ण समर्थ है और समाज, साहित्य, संस्कृति एवं सम-सामाजिक घटनाओं पर चिन्तन और लेखन करते रहते हैं। आपकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती शकुन्तला कनकने ने आपके कन्धे से कन्धा मिलाकर सम्पूर्ण जीवन गहोई समाज की सेवा में लगाया। वह अ.भा.ग.वै. महिला सभा की अध्यक्षा भी रहीं।

**रामप्रकाश हबनोरिया**
चिरगाँव, झाँसी

INDIAN PRESS